भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1431
उत्तर देने की तारीख-09/02/2026

अनुभवात्मक शिक्षा का मानकीकरण

†1431. **श्री बस्तीपति नागराजू:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में नई शिक्षा नीति में निहित प्रावधानों के अनुसार स्कूलों में अनुभवात्मक शिक्षण मॉड्यूल को मानकीकृत करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने देश में प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक जैसे विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर अनुभवात्मक शिक्षण के लिए कोई दिशा-निर्देश तैयार किए हैं;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) देश में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार और आंध्र प्रदेश के लिए जिला-वार उन स्कूलों की संख्या कितनी है, जिन्होंने अनुभवात्मक शिक्षण मॉड्यूल लागू किए हैं;
(ङ) क्या सरकार ने देश में अनुभवात्मक शिक्षण मॉड्यूल के तहत प्रदान किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता का कोई मूल्यांकन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(च) क्या सरकार देशभर के स्कूलों में ऐसे मॉड्यूल लागू करने के लिए शिक्षकों की क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण हेतु राज्यों को कोई धनराशि प्रदान कर रही है; और
(छ) यदि हां, तो आवंटित और जारी की गई धनराशि का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) से (छ): राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020, पैरा 4.6 में, एक मुख्य शिक्षण प्रक्रिया के रूप में अनुभवात्मक अधिगम पर बल दिया गया है, जो बुनियादी स्तर से ही व्यावहारिक अधिगम, कला एकीकरण, खेल और व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देती है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने बुनियादी स्तर के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (एनसीएफ-एफएस) और स्कूल शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क (एनसीएफ-एसई)

जारी किए हैं, जो सभी विषय क्षेत्रों में अनुभावात्मक अधिगम को एकीकृत करने के लिए योजना/दिशा-निर्देश प्रदान करते हैं। एनसीईआरटी ने जादुई पिटारा और ई-जादुई पिटारा भी शुरू किया है-यह खेल-आधारित अधिगम प्रक्रिया पर आधारित शिक्षण-अधिगम सामग्री का एक संग्रह है, जो अनुभवात्मक अधिगम का एक अभिन्न अंग है। इसके अतिरिक्त, एनसीईआरटी ने खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र पर एक पुस्तक भी जारी की है।

शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का विषय है, अधिकांश स्कूल संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। जहां तक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्कूलों का संबंध है, सीबीएसई ने कई कदम उठाए हैं तथा अपने पाठ्यक्रम दस्तावेजों में दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित स्कूलों सहित सभी सीबीएसई संबद्ध स्कूलों में सभी स्तर के लिए अनुभावात्मक अधिगम को लागू किया जा सके। इसमें शामिल हैं:

I. अनुभावात्मक अधिगम संबंधी सीबीएसई पुस्तक जारी करना, जो अनुभावात्मक अधिगम को एक शिक्षणशास्त्र प्रक्रिया के रूप में अधिदेशित करती है और इसकी विशेषताओं, प्रक्रियाओं, पाठ आयोजना तथा आकलन के तरीकों पर सुव्यवस्थित दिशा-निर्देश देती है।
II. कला एकीकृत अधिगम और खेल-एकीकृत अधिगम को अनिवार्य शिक्षण प्रक्रियाओं के रूप में शुरू किया गया है, जिसे कक्षा में कार्यान्वित करने के लिए विस्तृत मॉड्यूल एवं कार्यकलाप फ्रेमवर्क का सहयोग मिलेगा।
III. कक्षा संबंधी शिक्षण के अभिन्न भाग के रूप में वास्तविक संदर्भों, परियोजना-आधारित अधिगम, पूछताछ-आधारित कार्यकलाप, सहयोगात्मक रूप से कार्य करने और रिफलेक्टिव पद्धति पर बल देना।
IV. बुनियादी स्तर पर, खेल-आधारित, कार्यकलाप-उन्मुख और अनुभव आधारित अधिगम पर बल दिया जाता है, जिसमें पाठ्यपुस्तक पर कम से कम निर्भरता होती है। "जादुई पिटारा" ऐसी ही एक पहल है।
V. प्रारंभिक और मिडिल स्तर (कक्षा 3-8) में, बोर्ड अंतर-विषयक परियोजनाओं और व्यावसायिक अनुभव की सहायता से खोज-आधारित तथा जिज्ञासा-आधारित अधिगम की तरफ परिवर्तन की सलाह देता है। अनुभवात्मक समझ को सुदृढ़ करने के लिए स्वदेशी खिलौनों के उपयोग, व्यावहारिक गतिविधियों, कोडिंग, शिल्प और कौशल-आधारित मॉड्यूल पर बल दिया गया है, साथ ही कक्षा गतिविधियों के साथ एकीकृत रचनात्मक मूल्यांकन पर भी निरंतर बल दिया गया है।
VI. माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर (कक्षा IX–XII) के लिए एनसीएफ-एसई-वर्ष 2023 में परिकल्पित लोचशील और बहु-विषयक विषय चयन के विकल्प संबंधी सुविधा शुरू करना। प्रयोग संबंधी और व्यावहारिक अधिगम की ओर अग्रसर होने के लिए विश्लेषणात्मक, अनुप्रयोग-आधारित तथा मामला-आधारित मूल्यांकन मदों पर बल दिया गया है। क्षमता-आधारित मूल्यांकन के लिए, बोर्ड बोर्ड परीक्षाओं सहित सारगर्भित मूल्यांकन के साथ-साथ रचनात्मक मूल्यांकन के सतत उपयोग पर बल देता है।

सीबीएसई अकादमिक पर्यवेक्षण, निरीक्षण, संबद्धता प्रक्रिया और स्कूल गुणवत्ता मूल्यांकन एवं सुनिश्चयन (एसक्यूएए) फ्रेमवर्क के माध्यम से अधिगम (प्रयोग आधारित) कार्यान्वयन की गुणवत्ता की निगरानी करता है। चूंकि अनुभावात्मक अधिगम नियमित शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से जुड़ी है और इसे एक अलग योजना के रूप में लागू नहीं किया जाता है, इसलिए सीबीएसई स्कूल-वार या जिला-वार डेटा अलग से अनुरक्षित नहीं करता है।

आंध्र प्रदेश के केंद्रीय विद्यालयों सहित देश भर के सभी 1289 केंद्रीय विद्यालयों (केवि) में अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति को कार्यान्वित किया जाता है।

समग्र शिक्षा, पीएम श्री, इत्यादि जैसी योजनाओं के तहत शिक्षक प्रशिक्षण, एनईपी बैगलेस दिवसों, इको कल्ब मिशन लाईफ गतिविधि, मृदा परीक्षण गतिविधि, मॉडल यूथ ग्राम सभा, एसटीईएम लैब, परियोजना-आधारित अधिगम, अटल टिंकरिंग लैब, नवाचार इत्यादि जैसे अलग-अलग घटकों के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा हेतु राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को निधि आवंटित और जारी की जाती हैं।

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए आवश्यकता आधारित क्षमता निर्माण कार्यक्रम एनसीईआरटी के विभिन्न क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों (आरआईई) द्वारा संचालित किए जाते हैं, जिनमें अनुभावात्मक अधिगम में मुख्य संसाधन व्यक्तियों की क्षमता विकसित करने के लिए विशेष सत्र भी संचालित किए जाते हैं।

****